17 मई, 2015

स्मृति

मीठे बच्चे: आप चाहे कोई भी काम कर रहे हो, हद की प्रवृति को चलाने अर्थ या कोई भी सेवाकेंद्र चलाने के अर्थ निमित हो लेकिन सदा विश्व कल्याण की भावना हो । सदा सामने विश्व की सर्व आत्माऐं इमर्ज हों । आपकी स्मृति के आधार से चाहे कितनी भी दूर रहने वाली आत्माऐं हों लेकिन आपके सदा समीप और सम्मुख दिखाई दें ।
मीठे बाबा, सारा दिन मैं शांति की शक्ति को विशेष स्मृति में रखूंगा । मैं अपनी आत्मा को बाप से जोड़ दूंगा और शुभ भावनाओं और शुभ कामनाओं को इमर्ज करूंगा । इस स्थिरता की स्थिति में दूर की आत्माओं को भी मैं समीप अनुभव करूंगा ।

स्मृर्थी

ऊपर की स्मर्ती से प्राप्त होने वाली शक्ति से मैं स्वयं को निरंतर सशक्त अनुभव कर रहा हूँ । मुझमें इस बात की जागृती आ रही है कि मेरी स्मृर्ती से मेरा स्वमान बढ़ता जा रहा है । मैं इस बात पर ध्यान देता हूँ कि मेरी स्मृर्ती से मुझमें शक्ति आ रही है और इस परिवर्तनशील संसार में मैं समभाव और धीरज से कार्य करता हूँ ।

मनोवृत्ति

बाबा आत्मा से: वर्तमान समय तुम्हें शांति की शक्ति जमा करने की आवश्यकता है । व्यर्थ के सब विचार समाप्त कर दो और अपने मन को एक शक्तिशाली विचार में स्थित कर दो । अन्र्तमुखता की वृत्ति को अपनाने का मेरा दृढ़ संकल्प है । मैं अपनी वृत्ति को आंतरिक शांति से जोड़ देता हूं और इसे सारयुक्त बना देता हूं । मेरी कल्याणकारी वृत्ति से शक्तिशाली वातावरण का निर्माण होता है जो कि आघ्यात्मिक मौन का अद्भुत प्रमाण है ।

दृष्टि

बाबा आत्मा से: पांच तत्वों से पार रहने वाला आपको प्राप्ती कराने आऐ हैं । जैसे भक्त लोग कहते हैं कि जब भगवान राजी होते है तो छप्पर फाड़ कर देते हैं । तो यह भी इस आकाश त्तव को पार करके देने आ गए हैं । तो कितना बड़ा भाग्य है जो असम्भव बात भी सम्भव साकार में हो रही है ।
मेरा साकार में अपने भाग्य को जीवन में अनुभव करने का दृढ़ संकल्प है । इसके लिए मुझे अपने बाप, टीचर और सतगुरू की मीठी दृष्टि के तले रहना है और वह मुझे मेरी मंज़िल तक पहुंचा देंगे ।

लहर उत्पन्न करना

मुझे शाम 7-7:30 के योग के दौरान पूरे ग्लोब पर पावन याद और वृत्ति की सुंदर लहर उत्पन्न करने में भाग लेना है और मन्सा सेवा करनी है । उपर की स्मृर्ति, मनो-वृत्ति और दृष्टि का प्रयोग करके विनिम्रता से निमित् बनकर मैं पूरे विश्व को सकाश दूॅंगा ।